5

2Rs

INDIA

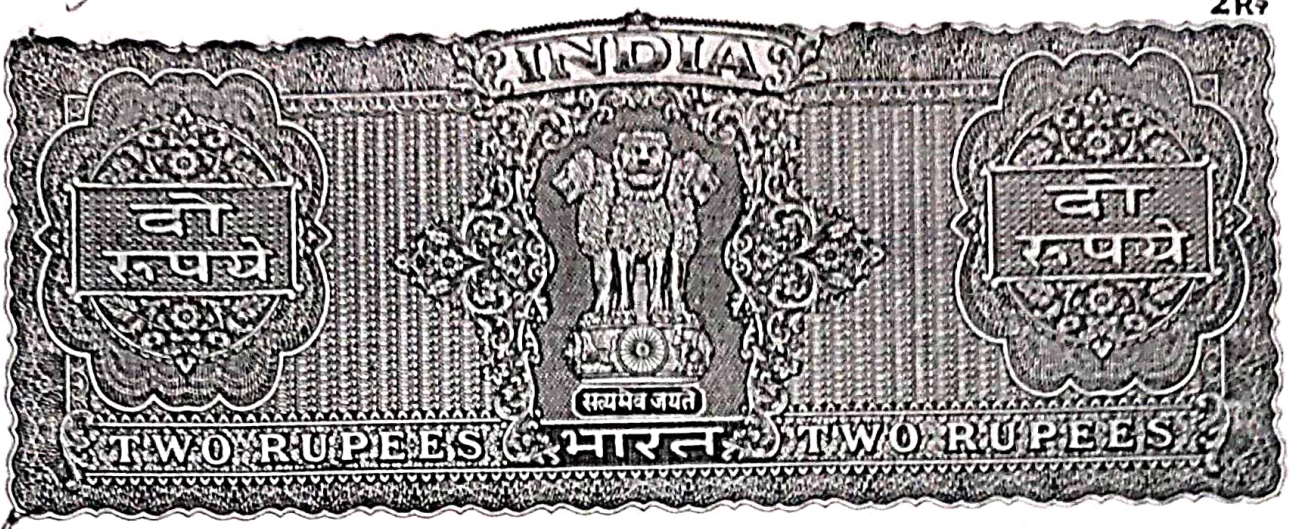

दो रुपये

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

२२९६
२/७/९७

जिला निबन्धन, कोडरमा

TRUE COPY
For Registrar
2-5-08

नं ३४५१

लेख्यकारी - (१) श्री विश्वनाथ गोराई पिता स्वर्गीय गुलाम चन्द्र गोराई
जाति बंगाली तेली राष्ट्रीयता भारतीय पेशा गृहस्ती सा० मौजा
झूली थाना वो जिला धनबाद हाल मोकाम कोडरमा परगना वो
थाना कोडरमा सब रजिस्ट्री डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री वो जिला कोडरमा

लेख्यधारी - (१) श्री सुखदेव सिंह पिता श्री राम सहाय सिंह जाति
राजपूत राष्ट्रीयता भारतीय पेशा गृहस्ती साकिन मौजा दुबौर
परगना वो थाना मरकचो हाल मुकाम कोडरमा परगना वो थाना
कोडरमा परगना वो थाना कोडरमा, सब रजिस्ट्री डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री
वो जिला कोडरमा।

लेख्य प्रकार - कबाला बैयनामा बनामी (विक्रय पत्र)

मूल्य - मो० २५५०० (पचीस हजार पांच सौ) रुपये मात्र)

नाम मालिक - बिहार सरकार, अंचल ऑफिस कोडरमा अन्दर
अधिसूचीत क्षेत्र कोडरमा।

मालगुजारी - खाता नं १४१ का माल मो० ०.०५ पैसा वो खाता
नं - २८ का माल ०.०५ पैसा अलावे सेस।

सम्पत्ती - मकानी रकवा ०.०४½ डी० (साढ़े चार डी०) जमीन

Sukhdeosingh

2 R

INDIA

दो रुपये | दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

किस्मत रैयती कायमी हस्तीदगी को दखली थाने मौजा कोडरमा
परगना को थाना कोडरमा अन्दर अंचल सुचित है तो थाना
न॰ 322 अन्दर खाता नम्बर 141 (एक सौ एकतालीस) मे
खाता न॰ 25 (पचीस) मे उक्त प्लोट रकबा की पौदी
ओल मे बिक्री करते है चुंकि उपरोक्त भूमि मन बेचवाली
को माँ श्री भगवती के नाम से बजरिये तीन कीता बैनामा
रजिस्ट्री से हासील है पहला कीता बैनामा रजिस्ट्री मरहुमा
तारीख 26-8-60 ई॰ को बसीयते मो: गुंजरी से रजिस्ट्री ऑफीस
हजारीबाग से हासील है जिसका दस्तावेज न॰ 3380 सन-
1960 ई॰ है। दूसरा कीता बैनामा रजिस्ट्री मो॰ सहादत प्रसाद से
व तारीख 6-8-60 ई॰ को हासील है जिसका दस्तावेज न॰ 6245
सन 1960 ई॰ है और तीसरा कीता बैनामा रजिस्ट्री बतारीख 24-
03 ई॰ को रजिस्ट्री ऑफीस हजारीबाग से मो॰ गुंजरी से हासील
है जिसका दस्तावेज न॰ 6422 सन 1962 ई॰ है और बराबर
से दखलकार चले आते है और है के मन बेचवाली दरेस
बटवारा कराके अपने हिस्से की जमीन साथ बेचवाली के
बिक्री करते है और यह रजिस्ट्री डिस्ट्रीक्ट रजिस्ट्री को जिला
कोडरमा विक्रय भूमि का नक्शा इस दस्तावेज मे संलग्न है
जिसमे विक्रय भूमि लाल रंग से दिखलाया गया है जो
सर्वे नक्शा के हुबहु है

खाता न॰ 141 (एक सौ एकतालीस)
(1) प्लोट न॰ 4303 (तैतालीस सौ तीन) कुल 0.06 डी॰ मध्ये
विक्रय रकबा 0.02 3/4 डी॰।

SHKhaleasingh

INDIA

दो रुपये — दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

खाता नं-२९ (उनतीस)

(1) प्लॉट नं-४३२३ (तेतालीस सौ तेइस) रकबा $0.26\frac{1}{2}$ डी.
मध्ये विक्रय रकबा $0.01\frac{3}{4}$ डी. जमा रकबा $0.04\frac{1}{2}$ डी.

दोनों खाते के दोनों प्लॉट में विक्रय रकबा साढ़े पाँच डी.
का मिला जुमला चौहद्दी उ. आम सड़क बदछु सवे द. प्लॉट
नं. ४३२२ एवम नीज लेख्यकारी पु. नीज लेख्यकारी प.
रामचन्द्र लाल वगैरह है।

विवरण:- चूं मन लेख्यकारी को वास्ते काम जरूरी वो भी करने दिगर दिगर खुदरीया लड़की की शादी के बाबत खर्चा वो भी दिगर नेहायत जरूरी है बिना किये खर्चा के रुपया का जरूरत को कोई इन्तकाल जैयती जायदाद के रुपया का सबील होना नहीं दिखलायी नहीं पड़ती है इसलिये दिगर जायदाद नजर में दिखलायी नहीं पड़ती रुपया लिया लेख्यकारी ने लेख्यधारी से मोवलग २४५००) रुपया लिया जमीन साथ लेख्यधारी वो उपर लिखा मवाजी $0.04\frac{1}{2}$ डी. जमीन साथ लेख्यधारी को बेचा वो बैय कामील किया दखलकार जरूरत चाहीये मय वारीसान की सेय मौजूदा सम्पती पर लेख्यधारी मय वारीसान दखलकार होकर वो रहे कर जोत आबाद कर पैदावार उठा कर अपने भोग वो तसरूफ में दर लाया करे आज की तारीख से लेख्यधारी मय कुल दावी दखल हक हकुक आज की तारीख से लेख्यधारी वो लाया वो वारीसान कायम मोकामियान के हवाले कर मालीक बनाया वो खुद दखल दे दिया चाहीये की लेख्यधारी खुद काबीज करे मकान बनावे बगैरह किस्म कर बताय बजावे कुआँ खुदावे मकान बनावे तालाब किस्म कर से अपना जमा वो सुविधा समझे अपने अमल में दर लाया करे।

Shehdeo Singh

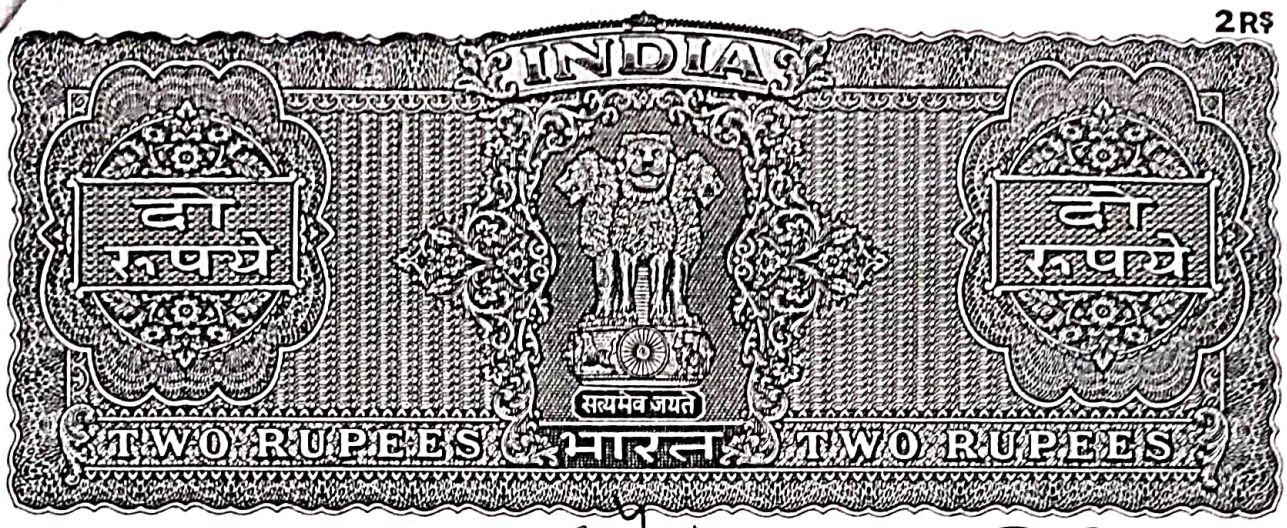

2 RS

INDIA

दो रुपये

सत्यमेव जयते

TWO RUPEES भारत TWO RUPEES

इस समय हम लेख्यकारी मय वारिसान के कोई उज्र एतराज
नहीं है ना होगा शेष विक्रय सम्पत्ती हर तरह के वादेन से
पाक वो साफ है अगर किसी प्रकार का वादेन पाया गया
तो उसका देनदार हम लेख्यकारी मय वारिसान है वो होंगे
खरीदार को लेख्यधारी अपने अंचल ऑफिस में दाखिल
खारिज कराके साले साल अपने नाम से रसीद हासिल किया
करें। उपरोक्त केवाला हाजा का कुल जर समन तमाम वेबाक
वसूल पाया खरीदार बाकी नहीं रहा इसलिये हम लेख्यकारी
अपने होश हवास से रह कर बिना किसी के धमकावट के
रह कर अपनी राजी खुशी से केवाला हाजा लिख दिया जो
समय पर काम आवे आज ता. 10-8-98 ई. मो. कोडरमा वाके
रहे कि तीसरा सफा के सोलहवीं सतर में मो. गुंजरी लिखा
कर काटा गया है वो ऊपर में रहगन्दु प्रसाद लिखा गया है
सो सही वा-का. Bishwnath Gorai 10-8-98 Bishwanath
Gorai 10-8-98 गवाही अनन्त किशोर सिंह द. नवीन साकिन
कोडरमा ता. 10-8-98 Bishwanath Gorai 10-8-98 गवाही
अजीत कुमार सिन्हा ताईद मो. कोडरमा 10-8-98 Bishwanath
Gorai 10-8-98 Bishwanath Gorai 10-8-98 Bishwanath Gorai
10-8-98 Bishwanath Gorai 10-8-98 Bishwanath Gorai
10-8-98 कातिब राम प्रसाद साव लु. नं. सा. कोडरमा मैं राम-
प्रसाद साव तसदीक करता हूँ कि मजमून वसीका हाजा को
मैं ने पढ़ कर सुना समझा दिया 10-8-98 ई. 002387
Sd/ Illegible नम्बर 1010 ता. 10-8-98 नाम श्री विश्वनाथ गोराई
(पु) कोडरमा 21105 कोडरमा नाजुते के बाबत 1009 - जमा 3190/-
1010 to 1017 1000×3= 3000 . 50×3=150 . 20×2= 40 = 3190.00

(signature)

Sukhdeo Singh

parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 002244 sd illegible न-1011 ता.10-8-98 1000x1 parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 002302 sd illegible न-1012 ता-10-8-98 1000x1 parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 न-1013 ता 10-8-98 50x1 parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 न-1014 ता 10-8-98 50/- parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 न-1015 ता 10-8-98 50/- parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 न-1016 ता. 10-8-98 20/- parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97 न-1017 ता 10-8-98 20/- parwez Akhlar parwez Akhlar stamp vendor Kodarma Licence No 9/97

No 3451

stamps of Rs 3190/- in Eight sheets of Rs 1000/- + 1000/- + 1000/- + 50/- + 50/- + 50/- + 20/- + 20/- only

23

2680-00
510-00
विश्वनाथ गोराई 3190-00

ह० गुलाम चन्द्र गोराई
श्री कृष्ण .. कोडरमा

10-8-98

Bishwanath Gorai

98

10-8-98

(e) A 1040-00
HC 27-00
(b) Salami 5-00
(d) P fee 1-88
1073-88

10/8

10-8-98

10-8-98

5444 ale .

उपस्थित श्री विश्वनाथ गोराई ने जिनकी पहचान श्री चन्द्रशेखर सिंह पिता का नाम टीको सिंह ने की स्वीकार कि उन्होंने इस लेख निष्पादित की है

357/19/98

Bishwanath Gorai
10-8-98

358/19/98

चन्द्रशेखर सिंह
10-8-98

ह. पि. साक्षी
10-8-98

नकलनवीस पढ़ा मिलानकिया

[illegible]
2-9-99

[illegible]

2-9-99 Constant [illegible]
2.9.99

[illegible]
2-9-99

Sukhdeo Singh